



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24032020-218875
CG-DL-E-24032020-218875

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 71]	नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 18, 2020/फाल्गुन 28, 1941
No. 71]	NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 18, 2020/PHALGUNA 28, 1941

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

व्यापार उपचार महानिदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2020

अंतिम जांच परिणाम

Case No. (OI) 15/2019

विषय: मलेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।
फा. सं. 6/22/2019-डीजीटीआर.— क. मामले की पृष्ठभूमि

समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे बाद में अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की जांच, मूल्यांकन एवं संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे यहां "नियमावली" भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

1. मैसर्स अजंता एलएलपी (पूर्व में मैसर्स अजंता प्राइवेट लिमिटेड के रूप में ज्ञात) (जिसे यहां आगे "आवेदक" अथवा "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने मलेशिया (जिसे यहां आगे "संबद्ध देश" भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स" (जिसे यहां आगे "संबद्ध सामान" अथवा "विचाराधीन उत्पाद" भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां आगे "अधिनियम" कहा गया है) और सीमा प्रशुल्क (पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की जांच, मूल्यांकन एवं संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे यहां "नियमावली" भी कहा गया

है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे यहां आगे "प्राधिकारी" भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन पत्र (जिसे यहां आगे "याचिका" भी कहा गया है) दायर किया था।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि लगाई जाती है और जो घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 24 सितंबर, 2019 की अधिसूचना संख्या 6/22/2019-डीजीटीआर द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

ख. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- क) प्राधिकारी को नियमावली के तहत संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के पाटन और परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति का आरोप लगाते हुए और संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध करते हुए संबद्ध सामानों के घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक से लिखित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ।
- ख) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार वर्तमान जांच शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया।
- ग) संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और तथाकथित पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स के आयात पर लगाई जाती है और घरेलू उद्योग को "क्षति" समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग को तथाकथित पाटन तथा परिणामी क्षति की जांच शुरू की।
- घ) तदनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 24 सितंबर, 2019 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ङ) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के सभी ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ता एसोसिएशन को सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वे पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर लिखित में अपने विचार दें।
- च) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास तथा ज्ञात निर्यातकों को आवेदक द्वारा दायर आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन पत्र की एक प्रति जहां भी अनुरोध किया गया था, हितवद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई।
- छ) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना देने के लिए प्रश्नावलियां भेजीं:

(i) मैसर्स आओवा इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. (एम) एसडीएन. बीएचडी.

(ii) मैसर्स फोरमिन मार्केटिंग

(iii) मैसर्स मेटा अलवा वारकोड प्रिंटिंग पीटीई. लि.

(iv) मैसर्स ऑरियंट कंटेनर्स एसडीएन. बीएचडी.

- ज) संबद्ध देश के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया।
- झ) मलेशिया सरकार ("जीओएम") ने जांच प्रक्रिया के दौरान अनुरोध दायर किए हैं।
- ञ) नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी:

(i) मैसर्स एडिक्ट क्लॉथ्स

(ii) मैसर्स क्लासिक सिस्टम

(iii) मैसर्स केसियो इंडिया कं. प्राइवेट लिमिटेड

(iv) मैसर्स हि जूम इंटरप्राइजेज

- (v) मैसर्स मयूरेस इंडस्ट्रीज
 - (vi) मैसर्स मैरीन ट्रेडर्स
 - (vii) मैसर्स रोटोमेक ग्लोबल प्रा. लि.
 - (viii) मैसर्स यूनिटेक मीडिया
 - (ix) मैसर्स यसराज इंटरनेशनल
- ट) किसी भी आयातक/प्रयोक्ता ने वर्तमान जांच में प्रभावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तथापि, मैसर्स मयूरेस इंडस्ट्रीज ने जांच प्रक्रिया के दौरान सीमित अनुरोध/टिप्पणियां दायर कीं कि उन्होंने विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है।
- ठ) मैसर्स सेंजर इंडस्ट्रीज लि. ने जांच प्रक्रिया के दौरान सीमित अनुरोध दायर किए हैं कि उसने 2014 से कैल्कुलेटरों का उत्पादन अथवा बिक्री बंद कर दी है।
- ड) प्राधिकारी ने हितवद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुले में रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।
- ढ) प्राधिकारी ने उचित जांच के बाद जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितवद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराएं जिसे सार्वजनिक फाइल के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था।
- ण) इसके अतिरिक्त आवश्यक समझी गई सीमा तक आवेदक तथा अन्य हितवद्ध पक्षकारों से सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़ों का सत्यापन वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया था।
- त) अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016, अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017, अप्रैल, 2017 से मार्च, 2018 और जांच की अवधि को शामिल करते हुए क्षति विश्लेषण के साथ 1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 (12 माह) (जिसे यहां आगे "जांच की अवधि" अथवा "पीओआई" कहा गया है) के लिए जांच की गई थी।
- थ) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों तथा जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के व्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था और डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त वह सूचना वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए अपनाई गई है।
- द) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों की क्षति रहित कीमत और उत्पादन लागत निकालने के लिए नियमावली के अनुबंध-3 में निर्धारित दिशा-निर्देशों के आधार पर यथासंभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना की जांच की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- ध) नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने दिनांक 9 जनवरी, 2020 को आयोजित मौखिक सुनवाई, जिसमें विभिन्न पक्षकारों ने भाग लिया था, में सभी हितवद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, उनसे उनके विचार लिखित अनुरोधों के रूप में दायर करने का अनुरोध किया गया था ताकि विरोधी हितवद्ध पक्षकार उसके बाद प्रत्युत्तर, यदि कोई है, दायर कर सकें।
- न) इस जांच प्रक्रिया के दौरान, जहां भी संगत पाया गया, हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को प्राधिकारी द्वारा इस प्रकटन अंतिम जांच परिणाम में हल कर दिया गया है।
- प) दिनांक 18 अक्तूबर, 2019 के पत्र द्वारा प्रस्तावित पीसीएन सिद्धांत के संबंध में हितवद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित की गई थीं। चूंकि, संबद्ध जांच में किसी भी हितवद्ध पक्षकारों से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है, अतः प्राधिकारी ने दिनांक 04 नवंबर, 2019 के पत्र द्वारा संबद्ध सामानों के लिए पीसीएन सिद्धांत को अंतिम रूप दिया।
- फ) इस जांच में अनिवार्य तथ्यों से युक्त प्रकटन विवरण, जो वर्तमान अंतिम जांच परिणामों का आधार हैं, 27 फरवरी, 2020 को हितवद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था। घरेलू उद्योग से प्राप्त प्रकटन विवरण पश्चात अनुरोधों पर इस अंतिम जांच परिणाम में संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।

- ब) इस अंतिम जांच परिणाम में *** किसी हितवद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई तथा प्राधिकारी द्वारा नियमावली के तहत मानी गई सूचना दर्शाते हैं।
- भ) प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के लिए विनिर्णय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 70.70 रुपए ली गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

4. घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं:

संबद्ध जांच के प्रयोजन के लिए विचाराधीन उत्पाद ("पीयूसी") इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स हैं। इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर गणितीय प्रचालन करने तथा कतिपय अन्य गणितीय प्रकार्यों के लिए प्रयुक्त एक छोटा और पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक यंत्र है। साधारण अंकीय प्रचालनों में जोड़, घटा, गुणा और भाग जैसे आधारभूत गणितीय प्रचालन शामिल हैं। जटिल गणितीय प्रकार्यों में घातांक प्रचालन, मूल, लघुगणक, त्रिकोणमितीय प्रकार्य और अतिशयोक्तिपूर्ण प्रकार्य आदि शामिल होते हैं।

विभिन्न प्रकार के कैलकुलेटरों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- क. **बेसिक/पैकेट/डेस्कटॉप कैलकुलेटर:** इस प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग जोड़, घटा, गुणा, भाग और प्रतिशत आदि जैसे सामान्य प्रचालनों के लिए किया जाता है। मानक अभिलक्षणों में 8 से 12 अंक का प्रदर्शन, विद्युत का दोहरा स्रोत (सौर विद्युत एवं बैट्री विद्युत) और प्लास्टिक/रबर की शामिल होते हैं। इस प्रकार के कैलकुलेटरों की प्रमुख कमजोरी यह होती है कि प्रयोक्ता परिकलन के दौरान गलत प्रविष्टि किए गए अंकों को ठीक अथवा समीक्षा नहीं कर सकते।
- ख. **चेक तथा करेक्ट कैलकुलेटर:** बेसिक कैलकुलेटरों द्वारा निष्पादित प्रकार्यों के अलावा, चेक और करेक्ट कैलकुलेटर प्रयोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार अंक विशेष को ठीक करने, उसमें संशोधन करने और उसे हटाने की भी अनुमति देते हैं। चेक प्रकार्य से प्रयोक्ता परिकलनों के दौरान मूल्यों की समीक्षा कर सकते हैं और उन्हें बड़े परिकलन करते समय परिकलन की त्रुटियों को कम करने में मदद करते हैं।
- ग. **वैज्ञानिक कैलकुलेटर:** वैज्ञानिक कैलकुलेटर विज्ञान, इंजीनियरी, सांख्यिकी और गणित में समस्याओं का परिकलन करने के लिए तैयार किए जाते हैं। चार या पांच प्रकार्यों में बेसिक कैलकुलेटरों की तुलना में वैज्ञानिक कैलकुलेटरों में विनिर्माण एवं मॉडल के आधार पर 38 से 401 प्रकार्य हो सकते हैं। तथापि, वैज्ञानिक कैलकुलेटरों में सामान्यतः निम्नलिखित विशेषताएं हैं:
- क) दोहरा प्रदर्श
 - ख) वैज्ञानिक नोटेशन
 - ग) आंशिक प्रचालन एवं द्विगुण परिकलन
 - घ) लघुगणक प्रकार्य
 - ङ) त्रिकोणमितीय प्रकार्य
 - च) ई प्रकार्य एवं वर्गमूल से अधिक मूल
 - छ) षोडश आधारी द्विगुण, और अष्टाधारी परिकलन, आधारभूत बुलियन गणित सहित
 - ज) जटिल अंक
 - झ) सांख्यिकी एवं संभाव्य परिकलन
 - ञ) गणना
 - ट) इकाइयों का प्रवर्तन
 - ठ) भौतिक स्थिरताएं

वैज्ञानिक कैलकुलेटरों का प्रयोग किसी भी स्थिति में व्यापक रूप से किया जाता है जहां त्रिकोणमितीय प्रकार्यों जैसे कुछ गणितीय प्रकार्यों के लिए तुरंत पहुँच की आवश्यकता होती है। उनका प्रयोग खगोल-विद्या, भौतिकी एवं रासायनिक में बहुत बड़े अंकों के परिकलनों के लिए अपेक्षित क्षेत्रों में भी किया जाता है।

- घ. **प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर्स:** प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर आधारभूत रूप से वैज्ञानिक कैलकुलेटरों के उच्चस्तरीय मॉडल हैं जिनमें प्रयोक्ता विभिन्न कठिन समस्याओं को हल करने अथवा व्यापक प्रक्रिया प्रारंभ करने के लिए कैलकुलेटर में कार्यक्रम लिख सकते हैं अथवा स्टोर कर सकते हैं। वैज्ञानिक कैलकुलेटरों द्वारा निष्पादित आधारभूत प्रकार्यों के अलावा प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर में प्रोग्रामिंग का प्रकार्य भी होता है। प्रोग्रामिंग प्रकार्य से

प्रयोक्ता प्रकार्यों को सृजित, संपादित और स्टोर कर सकता है। कार्यक्रमों के सृजन से जटिल प्रक्रिया को सामान्य करने में मदद मिलती है जो कि अन्यथा बहुत समय लेने वाली भी हो सकती है।

ड. **प्रिंटिंग कैलकुलेटर:** प्रिंटिंग कैलकुलेटर किए गए परिकलनों का प्रिंट लेने के लिए पेपरटेप के साथ संलग्न छोटे प्रिंटर वाले होते हैं। इन कैलकुलेटरों का प्रयोग प्रायः व्यापारिक कार्यों में किया जाता है जहां कर का परिकलन, लागत परिकलन, विक्री कीमत और लाभ मार्जिन आदि का परिकलन करने जैसी भारी संख्याएं होती हैं। प्रिंट लेकर गणितीय त्रुटियों को खोजना आसान हो जाता है।

च. **ग्राफिंग कैलकुलेटर:** ग्राफिंग कैलकुलेटर (ग्राफिक्स/ग्राफिक कैलकुलेटर के रूप में भी ज्ञात) विशिष्ट रूप से वे कैलकुलेटर होते हैं जो ग्राफ्स और चार्ट बनाने, साथ-साथ समीकरणों को हल करने, आधारभूत तथा अग्रिम सांख्यिकीय परिकलन करने, लॉजिकल और मैट्रिक्स प्रचालनों, परिवर्तन एवं संयोजन, वित्तीय प्रचालन आदि में सक्षम होते हैं। कई ग्राफिंग कैलकुलेटर प्रोग्रामेबल भी होते हैं जिनसे प्रयोक्ता ग्राहक वाले कार्यक्रम तैयार कर सकते हैं। ग्राफिंग के आशय से उनके व्यापक प्रदर्शों के कारण वे एक ही समय में पाठ और परिकलनों की कई लाइनें भी ले सकते हैं। कुछ ग्राफिंग कैलकुलेटर कलर आउटपुट बनाने, गणित के प्लॉटों के एनिमेटेड एवं इंटरैक्टिव आरेख बनाने (2डी एवं 3डी), एनिमेटेड ज्यामिति प्रमेय आदि जैसे अन्य आंकड़े बनाने में भी सक्षम होते हैं।

वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित को **छोड़कर** "सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर" है:

- संलग्न प्रिंटर्स वाले कैलकुलेटर, सामान्यतः **प्रिंटिंग कैलकुलेटर** के रूप में उल्लिखित;
- चार्ट और ग्राफ बनाने की क्षमता वाले कैलकुलेटर, सामान्य **ग्राफिंग कैलकुलेटर** के रूप में उल्लिखित;
- प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर**

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में मलेशिया सरकार ने निम्नलिखित अनुरोध किए:

- विचाराधीन उत्पाद के लिए आईटीसी कोड 8470 1000 है जबकि कच्चे आयात आंकड़ों को अलग करने के लिए डीजीसीआईएंडएस के कच्चे आंकड़ों को अलग करने के लिए आवेदक द्वारा प्रयुक्त सिद्धांत सीमा प्रशुल्क शीर्ष 8470 से किया गया है। अनुरोध है कि प्रशुल्क शीर्ष 8470 में गैर विचाराधीन उत्पाद भी शामिल है जिसके परिणामस्वरूप विचाराधीन उत्पाद की आयात मात्रा की असंगतता और अशुद्धता बन रही है।
- मलेशिया से विचाराधीन उत्पाद के मूल के संबंध में दावा अविश्वसनीय है। मलेशिया से भारत को निर्यात में वृद्धि इन दो संभावनाओं में से किसी एक के कारण हो रही है – (i) विचाराधीन उत्पाद अन्य देशों में निर्मित किया गया था और मलेशिया से होकर विचाराधीन उत्पाद की प्रवंचना करके भारत को निर्यात किया गया था अथवा (ii) विचाराधीन उत्पाद के मूल के संबंध में झूठी घोषणा (यह घोषित कर कि विचाराधीन उत्पाद का मूल मलेशिया है)।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर" है। तथापि, (क) संलग्न प्रिंटर्स वाले कैलकुलेटर, सामान्यतः प्रिंटिंग कैलकुलेटर के रूप में उल्लिखित; (ख) चार्ट और ग्राफ बनाने की क्षमता वाले कैलकुलेटर, सामान्य ग्राफिंग कैलकुलेटर के रूप में उल्लिखित; और (ग) प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर्स वर्तमान जांच के क्षेत्र से अलग किए जाते हैं।
- आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर और भारत में आयातित कैलकुलेटरों को वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए समान वस्तु माना जाना है। उन्होंने यह दावा संबद्ध सामानों की अनिवार्य विशेषताओं, प्रकार्य एवं प्रयोग, तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता के आधार पर किए हैं।
- प्राधिकारी ने पीसीएन सिद्धांत की भी जांच की है। प्राधिकारी द्वारा प्रस्तावित तथा स्वीकृत पीसीएन निम्नलिखित है:

क्रम सं.	क्षेत्र विवरण	व्याख्या
1.	प्रकार	यह उस श्रेणी का है जिस श्रेणी का कैलकुलेटर है: एस: वैज्ञानिक एन: गैर-वैज्ञानिक
2.	चेक एंड करेक्ट प्रकार्य	यह क्षेत्र कैलकुलेटर में चेक एंड करेक्ट का प्रकार्य दर्शाता है:

		0: नो चेक एंड करेक्ट 1: चेक एंड करेक्ट मौजूद है
3.	प्रदर्श में अंकों की संख्या	यह क्षेत्र कैलकुलेटर में अंकों की संख्या दर्शाता है (12 से अधिक/बराबर अथवा 12 से कम) 12 अंक से कम : L 12 अंकों के बराबर एवं उससे अधिक: M
4.	सौर विद्युत	यह क्षेत्र यह दर्शाता है कि क्या कैलकुलेटर में सौर विद्युत ऊर्जा है: A: सौर विद्युत नहीं B: सौर विद्युत मौजूद है
5.	कैलकुलेटर का आकार	पॉकेट अथवा अन्य पॉकेट आकार का आयाम: 170 एमएम X 100 एमएम X 45 एमएम से अधिक नहीं पॉकेट आकार: P अन्य: O

9. "समान वस्तु" की परिभाषा के संबंध में नियम 2(घ) में विनिर्दिष्ट है कि "समान वस्तु" का अभिप्राय उस वस्तु से है जो हर प्रकार से जांचाधीन वस्तु के समान है अथवा अथवा उस वस्तु के अभाव में जांचाधीन वस्तु से मिलती-जुलती विशेषताओं वाली अन्य वस्तु के समान है।
10. "समान वस्तु" शब्द की उपर्युक्त परिभाषा से यह स्पष्ट है कि "समान वस्तु" को हर मामले में जांचाधीन वस्तु के समान होता है। "समान वस्तु" शब्द के क्षेत्र में वे वस्तुएं भी शामिल होंगी जो हर प्रकार से समान वस्तुओं के अभाव में जांचाधीन वस्तुओं की विशेषताओं से बारीकी से मिलती-जुलती विशेषताओं वाली होंगी।
11. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर, प्राधिकारी मानते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध सामानों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। ये दोनों भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का प्रयोग परस्पर परिवर्तनीय रूप से भी करते हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पाद संबद्ध देश से भारत में आयात किए जा रहे संबद्ध सामानों की समान वस्तु है।
12. यह नोट किया जाता है कि संबंधित उत्पाद के लिए एचएस कोड 8470 1000 है। तथापि, विचाराधीन उत्पाद का आयात प्रशुल्क शीर्ष 8470 के तहत आने वाले अन्य एचएस कोडों के तहत भी किया जा रहा है। अतः आयात आंकड़ों के विश्लेषण के प्रयोजन के लिए आवेदक ने शीर्ष 8470 के लिए डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन वार आयात आंकड़े प्राप्त किए हैं। उसके बाद, आवेदक ने डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों में दी गई प्रत्येक लाइन की मद के लिए विवरण की जांच कर विचाराधीन उत्पाद के लिए आयात आंकड़े छांटे हैं। प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा किए गए आयात आंकड़ों की छंटनी का पूरा सत्यापन किया है। यह नोट किया जाता है कि प्रशुल्क शीर्ष 8470 के तहत किसी भी गैर-विचाराधीन उत्पाद पर विचार नहीं किया गया है अथवा वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के लिए छांटे गए आयात आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया है।
13. भारत में संबद्ध सामानों के आयातों के संबंध में, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों का विश्लेषण किया है और मलेशिया से आने वाले संबद्ध सामानों के सभी आयात लेन-देनों पर इसके विश्लेषण में प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है। जैसा कि जांच की शुरुआत की अधिसूचना में उल्लेख किया गया है, वर्तमान जांच मलेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों से संबंधित है। इस प्रकार, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए विचाराधीन उत्पाद के आयातों के रूप में मलेशिया से भारत में आने वाले सभी आयातों पर विचार किया है। जहां तक प्रवंचना और उद्गम के झूठे प्रमाण-पत्र से संबंधित मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सुनिश्चित करना मलेशिया सरकार का दायित्व है कि मलेशिया से निर्यात किसी प्रवंचना में लिप्त न हों।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार**घ.1 घरेलू उद्योग के विचार**

14. घरेलू उद्योग के क्षेत्र एवं आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क) वर्तमान याचिका मैसर्स अजंता एलएलपी द्वारा दायर की गई है। आवेदक न तो भारत में किसी आयातक से संबद्ध है और न ही संबद्ध देश से किसी निर्यातक से संबद्ध है, न ही आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। आवेदक का भारत में संबद्ध सामानों के कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख अनुपात है। अतः आवेदक आधार की अपेक्षा को पूरा करता है तथा नियमावली के अभिप्राय से घरेलू उद्योग है।
- ख) अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन आंकड़े बाजार आसूचना के आधार पर हैं। आवेदक की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार अन्य उत्पादकों के उत्पादन आंकड़े प्रतिनिधि कारक हैं और वास्तविक आंकड़ों में कोई भी विचलन वस्तुतः यह दर्शाएगा कि उनका वास्तविक उत्पादन उससे कम है जैसा कि आवेदक ने रूढ़िवादी आंकलन माना है।
- ग) भारत में संबद्ध सामानों का एक अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मैसर्स सेंजर इंडस्ट्रीज लिमिटेड था जिसका जांच की अवधि के दौरान बाजार आसूचना के आधार पर अनुमानित उत्पादन *** पीस (कुल भारतीय उत्पादन का *** प्रतिशत) है।

घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

15. मैसर्स सेंजर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने यह उल्लेख करते हुए अनुरोध दायर किया है कि उन्होंने 2014 से विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन और बिक्री बंद कर दी है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

16. नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नानुसार परिभाषित है:

"(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

17. पाटनरोधी शुल्क की जांच के लिए वर्तमान आवेदन पत्र मैसर्स अजंता एलएलपी द्वारा दायर किया गया है। आवेदक न तो भारत में किसी आयातक से संबद्ध है और न ही संबद्ध देश से किसी निर्यातक से संबद्ध है। इसके अतिरिक्त, आवेदक ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने आरंभ में यह अनुरोध किया था कि बाजार आसूचना के अनुसार भारत में संबद्ध सामानों का अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मैसर्स सेंजर इंडस्ट्रीज लिमिटेड है। तथापि, मैसर्स सेंजर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने दिनांक 10 अक्टूबर, 2019 के पत्र द्वारा यह अनुरोध किया है कि उन्होंने 2014 से संबद्ध सामानों का उत्पादन करना बंद कर दिया है। इस प्रकार, आवेदक जांच की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध सामानों का एक मात्र उत्पादक है।

18. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से पात्र घरेलू उद्योग है और यह मानते हैं कि आवेदन पत्र उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंड को पूरा करता है।

ड. गोपनीयता और अन्य मुद्दे**ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

19. गोपनीयता और अन्य मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- क. आवेदक जांच की अवधि में एक मात्र उत्पादक है और इस प्रकार उत्पादन, बिक्री आदि जैसे मात्रात्मक मानदंडों के संदर्भ में भी उसकी सूचना प्रकट नहीं की गई है क्योंकि वह सार्वजनिक पटल पर नहीं है। तथापि, आवेदक ने जहां भी संभव हुआ है, सूचीबद्ध सूचना प्रदान की है।
- ख. आवेदक ने जांच की शुरुआत का औचित्य बताते हुए पर्याप्त सूचना दी है। आवेदक ने आवेदन प्रपत्र के तहत अपेक्षित सभी सूचना प्रदान की है। जहां तक लेख में कतिपय मानदंडों के मूल्यांकन की विफलता का संबंध है, आवेदक का अनुरोध है कि आवेदक के लिए आवेदन पत्र में सभी मानदंडों का मूल्यांकन करना आवश्यक नहीं है। आवेदक का दायित्व सभी संगत सूचना देना है जो उसने किया है।
- ग. हितबद्ध पक्षकार उपयुक्त शपथ-पत्र देने के बाद सार्वजनिक फाइल से डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन वार आंकड़े प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस संबंध में, दिनांक 08 दिसंबर, 2017 की व्यापार सूचना फा. सं. 1/2017 का संदर्भ दिया जाता है।

- घ. आवेदक ने यथापेक्षित सभी संगत सूचना उपलब्ध कराई है और गोपनीयता का केवल वहां दावा किया गया है जहां वह आवश्यक है। आवेदक जांच की अवधि में एक मात्र उत्पादक है और इस प्रकार उसकी सूचना मात्रात्मक मानदंडों के संदर्भ में भी वास्तविक आधार पर प्रकट नहीं की गई है। इतनी अत्यधिक व्यापार संवेदनशील सूचना का प्रकटन करना प्रतिस्पर्द्धियों और उपभोक्ताओं को काफी प्रतिस्पर्द्धी लाभ का भी होगा और आवेदक के हित को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा।
- ड. आवेदक ने अनुरोध किया कि उन्होंने नियमावली के नियम 7 और 07 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 10/2018 के अनुसार आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर में सूचीबद्ध रूप में आंकड़े उपलब्ध कराए हैं।

ड.2 विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

20. गोपनीय के मुद्दों के संबंध में अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किए गए हैं।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

21. सूचना की गोपनीयता के संबंध में नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।"

22. विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर नियम 6(7) के अनुसार सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितवद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था।
23. सूचना की गोपनीयता के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना की जांच नियमावली के नियम 7 के अनुसार गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक समझा, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और उस सूचना को गोपनीय माना गया है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

24. मलेशिया से पाटन मार्जिन केवल काफी ही नहीं है बल्कि पर्याप्त है। इस प्रकार, भारत में विचाराधीन उत्पाद के काफी पाटन की मौजूदगी सिद्ध करता है। मलेशिया से आयात मात्रा पूरी वर्तमान क्षति अवधि में काफी रही है।
25. चूंकि, संबद्ध सामानों के उत्पादकों की कीमतें/कोटेशनस घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रयासों के बावजूद सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थे, अतः घरेलू उद्योग ने मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य विक्री, सामान्य प्रशासनिक व्यय के उचित समायोजन से और आवेदक के खपत मानदंडों को लेते हुए प्रमुख कच्ची सामग्री की घरेलू कीमत लेकर भारत में उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित की है।
26. आवेदक ने भारत में संबद्ध आयातों की मात्रा और मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से लिए गए लेन-देन वार आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। निर्यात कीमतें समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक प्रभारों से संबंधित खर्चों के लिए समायोजित की गई हैं।
27. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है जिसके ब्यौरे याचिका में पहले ही संलग्न किए गए हैं। पाटन मार्जिन केवल न्यूनतम ही नहीं है बल्कि अत्यधिक भी है।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

28. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई अनुरोध नहीं किए गए हैं।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**च.3.1 सामान्य मूल्य का निर्धारण**

29. धारा 9क(1)(ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु के लिए तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई विक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम विक्री मात्रा के कारण ऐसी विक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र से या किसी उपर्युक्त तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसरण में यथा निर्धारित, प्रशासनिक, विक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

30. इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) और धारा 9क(6क) में निम्नलिखित उल्लिखित है:

धारा 9क (6क): उप धारा (6) के तहत पृष्ठताछ के अंतर्गत किसी निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा निर्यातित किसी वस्तु के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा सामान्य मूल्य और रखी गई निर्यात कीमत तथा दी गई सूचना के संबंध में रिकार्ड के आधार पर किया जाएगा।

वशर्ते कि जहां कोई निर्यातक अथवा उत्पादक ऐसे रिकार्ड अथवा सूचना उपलब्ध न करा पाए, वहां निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन मार्जिन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

पाटनरोधी नियमावली का नियम 6(8): ऐसे मामले में, जहां कोई हितबद्ध पक्षकार उसकी पहुँच आवश्यक सूचना तक न होने अथवा एक पर्याप्त अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध न कराए अथवा जांच में काफी अड़चन डाले, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उसके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकार्ड कर सकता है और केंद्र सरकार को ऐसी सिफारिश कर सकता है जो उन परिस्थितियों में उपयुक्त हो।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने इस जांच में भाग नहीं लिया है और निर्धारित प्रपत्रों में सूचना नहीं दी है।
32. उपर्युक्त मद्देनजर, भारत में मलेशिया से आयातित संबद्ध सामानों के लिए सामान्य मूल्य उत्पादन लागत के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार करके और विक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उपयुक्त लाभ मार्जिन के लिए अभिवृद्धि के बाद "किसी अन्य आधार" पर निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया से आयात प्रमुख रूप से पॉकेट आकार के कैलकुलेटरों के हैं। तदनुसार, प्राधिकारी ने पॉकेट आकार के कैलकुलेटरों से संबंधित पीसीएन के लिए सामान्य मूल्य पर विचार किया है और वह जांच की अवधि के लिए *** अमेरिकी डॉलर प्रति पीस आता है।

च.3.2 निर्यात कीमत

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी निर्यातक ने निर्धारित स्वरूप एवं तरीके से सूचना नहीं दी है जिसका प्रयोग निर्यात कीमत के निर्धारण और अलग पाटन मार्जिन के परिकलन के लिए किया जा सके। अतः प्राधिकारी ने उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन वार आयात आंकड़ों के आधार पर किया है।
34. निर्यात कीमत कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, बैंक प्रभार, पत्तन व्यय और अंतर्देशीय भाड़ा प्रभारों के निमित्त समायोजित की गई है। तदनुसार, मलेशिया से निर्यातों के लिए कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई है:

च.3.3 पाटन मार्जिन तालिका

संबद्ध सामानों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए मलेशिया से संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया गया है:

क्रम सं.	देश	उत्पादक	निर्मित सामान्य मूल्य (अमेरिकी डॉलर/पीस)	निर्यात कीमत (अमेरिकी डॉलर/पीस)	पाटन मार्जिन (अमेरिकी डॉलर/पीस)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज
1	मलेशिया	कोई अन्य	***	***	***	***	300-400

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया के लिए निर्धारित जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से काफी अधिक है।

छ. क्षति का मूल्यांकन एवं कारणात्मक संपर्क

36. अनुबंध-11 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ... "ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"
37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए आवेदन पत्र मैसर्स अजंता एलएलपी द्वारा दायर किया गया है। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार आवेदक को इस जांच के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग माना गया है। अतः इस निर्धारण के प्रयोजन के लिए नियम 2(ख) में परिभाषित किए गए अनुसार घरेलू उद्योग बनने वाले आवेदक की लागत एवं क्षति संबंधी सूचना की जांच की गई है।

छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

38. क्षति एवं कारणात्मक संपर्क के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- क. संबद्ध सामानों के आयात पूरी जांच की अवधि में पूर्ण दृष्टि से बढ़े हैं। संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात जो 2015-16 में 2,09,106 पीस थे, वे बढ़कर जांच की अवधि में 10,78,472 पीस हो गए।
- ख. भारत में आ रहे कम कीमत के पाटित आयातों के कारण काफी कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री है। भारत में आ रहे कम कीमत के पाटित आयातों के कारण काफी कीमत न्यूनीकरण है।
- ग. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता अत्यधिक प्रभावित हुई है। 2016-17 में 102 सूचीबद्ध यूनिटों के कुल लाभ से लाभ जांच की अवधि में काफी (117) सूचीबद्ध यूनिट तक कम हुए हैं।
- घ. 2016-17 में 138 सूचीबद्ध यूनिटों के नकद लाभ से नकद लाभ, जांच की अवधि में काफी (25) सूचीबद्ध यूनिटों तक कम हुआ है।
- ङ. घरेलू उद्योग की नियोजित पूंजी पर आय (आरओसीई) में 2015-16 में 100 सूचीबद्ध यूनिटों से जांच की अवधि के दौरान (81) सूचीबद्ध यूनिटों तक काफी गिरावट आई है।
- च. घरेलू उद्योग की मालसूची 2015-16 में 100 सूचीबद्ध यूनिट थी, वह उत्पादन में कमी के बावजूद जांच की अवधि के दौरान काफी बढ़कर 605 सूचीबद्ध यूनिटों तक हो गई।

- छ. आयातों की कीमतें लागत में तदनुरूपी गिरावट के बिना काफी कम हुई हैं।
- ज. आयातों की कीमतें केवल विक्री कीमत से कम ही नहीं रहीं बल्कि विक्री लागत से भी कम रहीं। आयातों की कीमत और विक्री लागत के बीच अंतराल पूरी क्षति अवधि में बढ़ रहा है।
- झ. घरेलू उद्योग में काफी अनुपयुक्त क्षमता है।
- ञ. संबद्ध देश से पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन केवल न्यूनतम से अधिक ही नहीं है बल्कि काफी भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव बहुत अधिक है।
- ट. यह इंकार किया जाता है कि फिलीपींस और थाइलैंड को जांच का भाग बनाया जाना चाहिए था क्योंकि इन दोनों देशों से आयात मलेशिया की आयात कीमत के विरुद्ध उच्चतर कीमतों पर आ रहे हैं।
- ठ. चीन जन. गण. से संबद्ध सामानों के आयातों पर दिनांक 29 मई, 2015 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 24/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण 2015-16 से 2016-17 के बीच घरेलू विक्री में थोड़ी सी वृद्धि हुई। उस समय भारत में आने वाले कुल आयातों के 99 प्रतिशत चीन जन. गण. से थे। अतः पाटनरोधी शुल्क से किसी सीमा तक चीन जन. गण. से आयात बाधित हुए। तथापि, उसके बाद शीघ्र ही मलेशिया से आयात काफी मात्रा में शुरू हुए जो बढ़ते हुए क्षति की अवधि में पांच गुना हो गए।

छ.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

39. किसी भी निर्यातक एवं आयातक ने संबद्ध जांच में भाग नहीं लिया। मलेशिया सरकार द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
 - क. विचाराधीन उत्पाद की आयात मात्रा 2015-16 से 2016-17 तक 100 सूचकांक से बढ़कर 192 सूचकांक हो गई। तथापि, यह घरेलू उद्योग की घरेलू विक्री तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि के बीच थी।
 - ख. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद की आयात मात्रा 2017-18 से 2018-19 तक 577 सूचकांक से घटकर 516 सूचकांक हो गई। तथापि, इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की विक्री 8 सूचकांक तक केवल थोड़ी सी बढ़ी और क्षमता उपयोग 117 सूचकांक से थोड़ा सा घटकर 112 सूचकांक तक आ गई। घरेलू विक्री लेने और इस अवधि के दौरान क्षमता उपयोग बढ़ाने में घरेलू उद्योग की विफलता यह दर्शाती है कि कारणात्मक संपर्क संतोषजनक रूप से सिद्ध नहीं किया जा सकता।
 - ग. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आयात आंकड़े मलेशिया के सांख्यिकी विभाग में रिकार्ड किए गए निर्यात मात्रा आंकड़ों के अनुरूप नहीं हैं। मलेशिया ने याचिका में दिए गए 1,078,472 पीसों की तुलना में 2019 में भारत को 205,558 पीस इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स का निर्यात किया। ये गलत आंकड़े आयात हिस्सा, बाजार हिस्सा, कीमत कटौती और अन्य कारकों जैसी अन्य संबंधित सूचना को प्रभावित करते हैं।
 - घ. फिलीपींस और थाइलैंड से विचाराधीन उत्पाद के आयातों ने काफी महत्वपूर्ण हिस्सा दर्शाया, परंतु दोनों देशों को जांच का भाग नहीं बनाया गया था।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

40. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है और नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति की जांच की है।
41. नियमावली में प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वे मात्रा और कीमत प्रभाव, दोनों की जांच करके क्षति की जांच करें। क्षति के निर्धारण में (क) समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा पाटित आयातों की मात्रा और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल है। पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को इस पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में अथवा पूर्ण दृष्टि से पाटित आयातों में काफी वृद्धि हुई है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों का ह्रास करने अथवा कीमतों में वृद्धि रोकने के लिए अन्यथा है जो कि अन्यथा काफी मात्रा तक हुई होती।
42. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नलिखित उल्लेख है:

"(iv) संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का मूल्यांकन शामिल है, जिनमें लाभ, आउटपुट, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर वापिसी या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, वास्तविक पाटन मार्जिन की मात्रा और नकदी प्रवाह पर संभावित ऋणात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, संवृद्धि, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता सम्मिलित है।"

43. यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड ह्रास दर्शाएं। कुछ मानदंड ह्रास दर्शा सकते हैं जबकि कुछ सुधार दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी सभी क्षति मानदंडों पर विचार करते हैं और उसके बाद निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति हुई है अथवा नहीं।
44. प्राधिकारी ने सरकारी डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों तथा उनमें मलेशिया से सूचित किए गए आयातों पर विश्वास करके क्षति विश्लेषण किया है।

छ.3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव – आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

क. मांग का मूल्यांकन/स्पष्ट खपत

45. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवेदक की घरेलू बिक्री की राशि तथा सभी स्रोतों से आयातों की राशि के रूप में भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत पर विचार किया है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
मलेशिया से आयात	पीस	2,09,106	4,00,676	12,07,282	10,78,472
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	192	577	516
चीन जन. गण. से आयात (पहले से लागू शुल्क)	पीस	40,83,861	2,48,761	10,09,951	3,77,647
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	6	25	9
अन्य देशों से आयात	पीस	57,23,089	55,49,189	59,58,949	61,12,541
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	97	104	107
कुल आयात	पीस	1,00,16,056	61,98,626	81,76,182	75,68,660
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	62	82	76
आवेदक की घरेलू बिक्री	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	131	121	129
कुल मांग	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	74	89	85

46. जैसा कि उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है, संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात जो 2015-16 में 2,09,106 पीस थे, वे बढ़कर जांच की अवधि में 10,78,472 पीस हो गए।

ख. संबद्ध देश से आयात मात्रा

47. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पूर्ण दृष्टि से या भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में पाटित आयातों में काफी वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए लेन-देन वार आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश और अन्य देशों से संबद्ध सामानों के आयातों की मात्रा की जांच की है। संबद्ध सामानों की आयात मात्रा तथा क्षति जांच अवधि के दौरान पाटित आयातों का हिस्सा निम्नलिखित है:

	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
मलेशिया से आयात	पीस	2,09,106	4,00,676	12,07,282	10,78,472
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	192	577	516
चीन जन. गण. से आयात (जिसके विरुद्ध पाटनरोशी	पीस	40,83,861	2,48,761	10,09,951	3,77,647

	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
शुल्क पहले ही लागू है)					
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	6	25	9
अन्य देशों से आयात	पीस	57,23,089	55,49,189	59,58,949	61,12,541
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	97	104	107
कुल आयात	पीस	1,00,16,056	61,98,626	81,76,182	75,68,660
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	62	82	76
कुल आयात के संबंध में संबद्ध देश के आयात	%	2.09	6.46	14.77	14.25
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	310	707	683
कुल भारतीय उत्पादन	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	163	117	112
उत्पादन के संबंध में मलेशिया से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	118	495	461
मांग	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	74	89	85
भारत में खपत के संबंध में मलेशिया से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	257	650	604

48. उपर्युक्त तालिका से निम्नलिखित बातें नोट की गई हैं:

- क. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात जो 2015-16 में 2,09,106 पीस थे, वे बढ़कर जांच की अवधि में 10,78,472 पीस हो गए।
- ख. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात भारतीय उत्पादन की तुलना में 2015-16 में 100 सूचकांक से बढ़कर जांच की अवधि में 461 सूचकांक हो गए।
- ग. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात भारतीय खपत की तुलना में 2015-16 में 100 सूचकांक से बढ़कर जांच की अवधि में 604 सूचकांक हो गए।

ख.3.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

49. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नलिखित निर्धारित है:

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समग्र अर्थों में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नियम 18 के उप नियम(2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के कारण कीमतों का अत्यधिक हास हुआ है अन्यथा कीमत वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।"

50. मलेशिया से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर विक्री, कीमत न्यूनीकरण और कीमत ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए घरेलू

उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना मलेशिया से संबद्ध सामानों के आयातों की पहुँच कीमत से की गई है।

क. कीमत कटौती

51. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने आयातों की पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से की है। इस संबंध में, संबद्ध देश से उत्पाद के पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की सभी छूटों और करों के निवल पर व्यापार के उसी स्तर पर तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतें कारखानागत स्तर पर निर्धारित की गई थीं।

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
आयात मात्रा	पीस	2,09,106	4,00,676	12,07,282	10,78,472
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	192	577	516
पहुँच कीमत	रु./पीस	24	22	22	19
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	94	93	80
भाड़े को छोड़कर घरेलू बिक्री कीमत	रु./पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	96	76	74
कीमत कटौती	रु./पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	96	72	73
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	रेंज	400-500	400-500	300-400	300-400

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया से संबद्ध सामानों के आयात भारत में घरेलू उद्योग की कीमतों की काफी कटौती कर रहे हैं। इतनी अत्यधिक कीमत कटौती के कारण घरेलू उद्योग अपनी लागत वसूली करने तथा आय की उपयुक्त दर अर्जित करने के लिए अपनी बिक्री कीमतों को बढ़ाने में असमर्थ है।

ख. कम कीमत पर बिक्री

53. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है। संबद्ध देश से आयातित अधिकतर संबद्ध सामान पॉकेट आकार के कैलकुलेटर हैं। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए पॉकेट आकार के कैलकुलेटरों की एनआईपी पर विचार किया है और डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयातों की पहुँच कीमत से उसकी तुलना की है।

विवरण	यूओएम	मात्रा
आयात	पीस	10,78,472
पहुँच कीमत	रु./पीस	18.75
एनआईपी	रु./पीस	***
क्षति मार्जिन	रु./पीस	***
क्षति मार्जिन	%	***
प्रवृत्ति	रेंज	300-400

54. यह नोट किया जाता है कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया से संबद्ध सामानों के आयातों से घरेलू उद्योग पर कम कीमत पर बिक्री संबंधी काफी प्रभाव पड़ रहा है।

ग. कीमत न्यूनीकरण एवं ह्रास

55. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का ह्रास कर रहे हैं अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों का न्यूनीकरण करने तथा कीमतों में वृद्धि रोकने के लिए है जो कि काफी मात्रा तक हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागतों तथा कीमतों और पहुँच मूल्य में परिवर्तनों पर विचार किया। स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
निर्माण एवं विक्री की लागत	रु./पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	98	87	94
घरेलू विक्री कीमत	रु./पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	95	76	75
पहुँच मूल्य	रु./पीस	24	22	22	19
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	92	92	79

56. उपर्युक्त तालिका से निम्नलिखित बातें नोट की जा सकती हैं:

- क. संबद्ध देश से आयात घरेलू उद्योग की विक्री लागत से काफी कम कीमतों पर आ रहे हैं। परिणामस्वरूप, पाटित आयात घरेलू उद्योग को विक्री कीमत नहीं लेने दे रहे हैं जो कि उसकी पूर्ण लागत को ले सकता और उसे उपयुक्त लाभ मार्जिन अर्जित करने देता।
- ख. निर्माण तथा विक्री लागत आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 6 सूचकांक तक कम हुई है जबकि घरेलू विक्री कीमत उसी अवधि के दौरान 25 सूचकांक तक काफी कम हुई है।
- ग. पहुँच कीमत आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 21 सूचकांक तक कम हुई है जबकि निर्माण एवं विक्री लागत आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 6 सूचकांक तक कम हुई है।

घ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों पर प्रभाव

57. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में उन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में यह भी उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और विक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।
58. प्राधिकारी ने हितवद्ध पक्षकारों द्वारा उनके अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए वस्तुपरक रूप से क्षति मानदंडों की जांच की है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर निम्नलिखित रूप में चर्चा की जाती है:

क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं विक्री

59. उत्पादन, घरेलू विक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
क्षमता	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	100	100	100
उत्पादन	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	163	117	112

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	163	117	112
घरेलू बिक्री	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	131	121	129

60. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में उपलब्ध क्षमता का काफी हिस्सा अनुपयुक्त है।

ख) लाभ, नियोजित पूंजी पर आय एवं नकद लाभ

61. घरेलू उद्योग की बिक्री लागत, बिक्री कीमत, लाभ/हानि, नकद लाभ तथा निवेश पर आय का विश्लेषण निम्नलिखित रूप में किया गया है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
लाभ/(हानि)	र./पीस	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	78	(22)	(90)
लाभ/(हानि)	र. लाख	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	102	(27)	(116)
पीवीआईटी	र. लाख	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	107	(22)	(105)
नकद लाभ	र. लाख	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	138	32	(23)
आरओआई	%	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	89	(19)	(79)

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग लाभ, ब्याज पूर्ण लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय के संदर्भ में प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है।

ग) मांग में बाजार हिस्सा

63. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की निम्नलिखित रूप में जांच की है:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग बिक्री का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	175	136	151
संबद्ध देश से आयातों का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
सूचकांक	सूचकांक	100	257	650	604
चीन जन. गण. से आयातों का बाजार हिस्सा (शुल्क पहले से लागू)	%	***	***	***	***

सूचकांक	सूचकांक	100	8	28	11
अन्य देशों से आयातों का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
सूचकांक	सूचकांक	100	130	117	125

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2016-17 में सुधार हुआ है और उसके बाद 2017-18 में गिरावट आई, परंतु जांच की अवधि में आंशिक सुधार हुआ। दूसरी ओर, संबद्ध देश के आयातों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष से तुलना करने पर काफी बढ़ा है।

घ) रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता

65. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में स्थिति निम्नलिखित है:

विवरण	यूओएम	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	139	86	119
उत्पादन/कर्मचारी	प्रति कर्मचारी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	117	135	94
उत्पादन	प्रति दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	163	117	112

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रति कर्मचारी उत्पादन 2017-18 तक बढ़ा है और उसके बाद उसमें तेजी से गिरावट आई है। उत्पादन प्रति दिन 2016-17 तक बढ़ा है और उसके बाद उसमें गिरावट आई। रोजगार के संबंध में कोई निश्चित नहीं है।

ड) मालसूची

67. संबद्ध सामानों की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2015-16	2016-17	2017-18	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	पीस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	538	919	605

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग में मालसूची का स्तर जांच की अवधि में गिरावट आने से पूर्व 2017-18 तक काफी बढ़ा है।

च) पाटन की मात्रा

69. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयात भारत में पाटित कीमतों पर आ रहे हैं और पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमाओं से अधिक तथा काफी है।

छ) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

70. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता काफी अनुपयुक्त है और उद्योग को हानियां हो रही हैं। इस प्रकार, ऐसी स्थिति में पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता कमजोर हुई है।

ज) वृद्धि

71. घरेलू उद्योग की वृद्धि से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

वृद्धि	यूनिट	2015-16	2016-17	2018-19	जांच की अवधि
उत्पादन	वर्ष/वर्ष %	-	63	(28)	(4)
घरेलू बिक्री	वर्ष/वर्ष %	-	31	(8)	7
लाभ/हानि (रु. (लाख))	वर्ष/वर्ष %	-	2	(126)	(338)
आरओआई	वर्ष/वर्ष %	-	(1)	(7)	(4)
नकद लाभ (रु. (लाख))	वर्ष/वर्ष %	-	38	(77)	(171)

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी प्रमुख क्षति संबंधी मानदंड संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों से काफी क्षति दर्शाते हैं।

झ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

73. संबद्ध देश से आयात कीमतों की जांच दर्शाती है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा क्षति रहित कीमत से कम है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर विचाराधीन उत्पाद की कीमतें प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतों के बीच चलनी चाहिए और घरेलू उद्योग इन इनपुट कीमतों और आयातों की पहुँच कीमत पर विचार करते हुए अपनी कीमतें निर्धारित करता रहा है। इस प्रकार, संबद्ध देश से संबद्ध सामानों का पहुँच मूल्य घरेलू कीमतों के निर्धारण के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

छ.3.4 अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संपर्क

74. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को पाटन और वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क की जांच के लिए नियमावली के तहत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों को नोट किया है जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकते हैं:

क) संबद्ध तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयात की काफी मात्रा भारत में फिलीपींस और थाइलैंड से आ रही है। तथापि, इन दोनों देशों से आयात कीमतें मलेशिया और चीन जन. गण. की आयात कीमतों से काफी अधिक हैं। इस प्रकार, यह नहीं कहा जा सकता कि चीन जन. गण. और मलेशिया को छोड़कर अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं।

ख) निर्यात निष्पादन

76. प्राधिकारी ने अपने क्षति विश्लेषण के लिए केवल घरेलू प्रचालनों के लिए आंकड़ों पर विचार किया है।

ग) प्रौद्योगिकी

77. विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए उत्पादन प्रक्रिया के रूप में भी प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है। प्रौद्योगिकी में संभावित विकास घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियाँ और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

78. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

ङ) खपत के पैटर्न में परिवर्तन

79. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और इस प्रकार वह घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

च) अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन

80. आवेदक द्वारा उत्पादित किए जा रहे तथा बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का संभावित कारण नहीं है।

ज) क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

81. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की क्षति रहित कीमत जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर निर्धारित की गई है। भारित औसत क्षति रहित कीमत पर

क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए संबद्ध देश से पहुँच कीमत की तुलना करने के लिए विचार किया गया है। क्षति रहित कीमत निर्धारित करने के लिए क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यूटिलिटियों में वही व्यवहार किया गया है। क्षति की अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी असाधारण अथवा अनावर्ती व्यय उत्पादन लागत में परिवर्तित नहीं किए गए थे। विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्तियाँ तथा औसत कार्यशील पूंजी) पर उपयुक्त आय (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) की सतत परिपाटी के अनुसार अनुबंध-III में निर्धारित किए गए अनुसार एनआईपी निकालने के लिए अनुमति दी गई है। इस प्रकार निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना निम्नलिखित रूप में क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए संबद्ध देश से आयातों की पहुँच कीमतों से की गई है।

क्षति मार्जिन तालिका

देश	उत्पादक	एनआईपी अमेरिकी डॉलर/पीस	पहुँच कीमत अमेरिकी डॉलर/पीस	क्षति मार्जिन अमेरिकी डॉलर/पीस	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज
मलेशिया	कोई अन्य	***	0.2652	***	***	300-400

झ. क्षति संबंधी निष्कर्ष

82. उपर्युक्त के आधार पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के पाटित आयात पूर्ण दृष्टि से तथा भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादन और खपत के संबंध में भी बढ़े हैं। उत्पाद के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है। इसके अतिरिक्त, यद्यपि क्षति की अवधि में उत्पादन लागत कम हुई है, तथापि विक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में अधिक है। इस प्रकार, आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण कर रहे हैं।
83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को आयातों के कीमत प्रभाव तथा मात्रा के कारण क्षति हुई है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में भी लाभ की प्रवृत्ति की तरह वही प्रवृत्ति रही। नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ, दोनों जांच की अवधि में नकारात्मक रहे। इस प्रकार, लाभ, नकद लाभ, नियोजित पूंजी पर आय, बाजार हिस्सा और मालसूची आदि जैसे अधिकतर मानदंडों के संबंध में वृद्धि घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव दर्शाती है। इस प्रकार, प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ब. कारणात्मक संपर्क के लिए संबंधित कारक

84. क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण ह्रास हुआ है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क निम्नलिखित आधारों पर सिद्ध है:

- क. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती हो रही है। परिणामस्वरूप, आयातों की मात्रा काफी बढ़ी है।
- ख. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात जांच की अवधि में काफी बढ़े हैं।
- ग. पाटित आयातों से हो रही कीमत कटौती से घरेलू उद्योग की कीमतों में वृद्धि रुकी है जो अन्यथा हुई होती।
- घ. संबद्ध देश से पाटित आयातों के न्यूनीकरण प्रभाव से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है।
- ड. घरेलू उद्योग को काफी मांग की मौजूदगी तथा देश में क्षमताओं के बावजूद उसका उत्पादन, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्सा बढ़ाने से रोका गया है।
- च. लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में गिरावट पाटित आयातों का परिणाम है।
- छ. घरेलू उद्योग की वृद्धि विक्री कीमत, लाभप्रदता, नकद लाभ और आरओसीई जैसे कई आर्थिक मानदंडों के संबंध में नकारात्मक हुई।

ट. प्रकटन पश्चात अनुरोध

85. प्रकटन पश्चात अनुरोध केवल घरेलू उद्योग से प्राप्त हुए हैं। अनुरोधों की निम्नलिखित रूप में जांच की जाती है।

ट.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

86. प्रकटन विवरण पर घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क) घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र, घरेलू उद्योग के आधार, पाटन विश्लेषण और क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रकटन विवरण में किए गए अपने प्रस्ताव की पुष्टि इस जांच परिणाम में करने का अनुरोध किया है।

- ख) घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि प्रकटन विवरण के पैरा 82 में क्षति मार्जिन तालिका में "पहुँच मूल्य अमेरिकी डॉलर/प्रति पीस" में त्रुटि है। अमेरिकी डॉलर 0.26 प्रति पीस के पहुँच मूल्य के बजाए प्राधिकारी ने गलती से उसकी मात्रा 1.26 अमेरिकी डॉलर प्रति पीस बतायी है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि वे कृपया इस आंकड़े को दोबारा देखें और अंतिम जांच परिणाम में उसमें परिवर्तन करें।

ट.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से इस जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र, घरेलू उद्योग के आधार, पाटन विश्लेषण और क्षति विश्लेषण के संबंध में उनकी जांच की पुष्टि करने का ही अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त संगत पैराओं में विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग के आधार, पाटन विश्लेषण और क्षति विश्लेषण के संबंध में अपनी जांच की पुष्टि की है। क्षति मार्जिन तालिका में पहुँच मूल्य की त्रुटि के संबंध में यह नोट किया जाता है कि एनआईपी और पहुँच मूल्य के आंकड़े प्रकटन विवरण में गलती से आपस में बदल गए थे। त्रुटि को ठीक कर लिया गया है।

ठ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से किसी भी तरह संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ड. निष्कर्ष

89. उठाए गए तर्कों, दी गई सूचना और हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा इस जांच परिणाम में रिकार्ड किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. विचाराधीन उत्पाद का मलेशिया से भारत को निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है और इस प्रकार पाटन हुआ है।
ख. घरेलू उद्योग को मलेशिया से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
ग. मलेशिया से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग में वास्तविक क्षति हुई है।

ढ. सिफारिश

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितवद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितवद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के पहलू के संबंध में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। जांच शुरू करने पर और नियमावली के तहत उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क की जांच करने पर और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध होने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की आवश्यकता है। अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं तथा निम्नलिखित रूप एवं तरीके से संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।
91. नियमों के नियम 4 (घ) में निहित प्रावधान के संदर्भ में, प्राधिकारी कमतर पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के सभी आयातों पर निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	सामानों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	शुल्क राशि	मुद्रा	यूनिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	8470*	इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स **	मलेशिया	मलेशिया सहित कोई भी देश	कोई	0.92	अमरीकी डॉलर	प्रति पीस

2.	8470	इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर्स **	मलेशिया के अलावा कोई भी देश	मलेशिया	कोई	0.92	अमरीकी डॉलर	प्रति पीस
----	------	-----------------------------	-----------------------------	---------	-----	------	-------------	-----------

* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जाएगा। उपर्युक्त विचाराधीन उत्पाद उस समय भी उपर्युक्त पाटनरोधी शुल्क के अध्वधीन होना चाहिए जब उसका आयात किसी अन्य एचएस कोड के तहत किया जाए।

** विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित को छोड़कर "सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक कैलकुलेटर" है:

- क) संलग्न प्रिंटरों वाले कैलकुलेटर, सामान्यतः *प्रिंटिंग कैलकुलेटर* के रूप में उल्लिखित;
- ख) चार्ट और ग्राफ बनाने की क्षमता वाले कैलकुलेटर, सामान्य *ग्राफिंग कैलकुलेटर* के रूप में उल्लिखित;
- ग) *प्रोग्रामेबल कैलकुलेटर*

ण. आगे की प्रक्रिया

92. इस सिफारिश के कारण केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर अपील अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

भूपिन्दर एस. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

New Delhi, 18th March, 2020

FINAL FINDINGS

Case No. (OI) 15/2019

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Electronic Calculators originating in or exported from Malaysia.

F. No. 6/22/2019-DGTR.—A. BACKGROUND OF THE CASE

Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as 'the Act') and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as 'the Rules') thereof;

1. M/s. Ajanta LLP (formerly known as M/s Ajanta Private Limited) (hereinafter referred to as 'Applicant' or 'domestic industry') had filed an application (also referred to as 'petition') before the Designated Authority (hereinafter referred to as 'Authority') in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as 'Act') and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as 'Rules') for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of "Electronic Calculators" (hereinafter referred to as 'subject goods' or 'product under consideration') originating in or exported from Malaysia (hereinafter referred to as 'subject country').
2. The Authority, on the basis of the sufficient evidence submitted by the Applicant, issued a public notice vide notification no. 6/22/2019 dated 24th September, 2019 published in the Gazette of India, initiating the subject investigation in accordance with Rule 5 of the Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure, as described herein below, has been followed by the Authority with regard to subject investigation:
 - a. The Authority under the Rules, received a written application from the Applicant on behalf of domestic industry of subject goods, alleging dumping of subject goods originating in or exported from subject country and resultant injury to the domestic industry and requesting imposition of antidumping duty on import of the subject goods from the subject country.
 - b. The Authority notified the Embassy/Representatives of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the present investigation in accordance with Rule 5(5) of the Rules.
 - c. On the basis of sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country, injury to the domestic industry and a causal link between the alleged dumping and injury, the Authority initiated an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of subject goods from the subject country and to recommend an amount of antidumping duty, which if levied on the import of Electronic Calculators, would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.
 - d. The Authority accordingly issued a public notice dated 24th September 2019 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation against import of the subject goods from the subject country.
 - e. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and users association of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
 - f. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application filed by the Applicant to the known exporters and the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules. A copy of the application was also provided to interested parties whenever requested.
 - g. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters of subject goods in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - (i) M/s. Aoba Electronics Co., (M) Sdn. Bhd.
 - (ii) M/s. Fornine Marketing
 - (iii) M/s. Meta Alva Barcode Printing Pte. Ltd.
 - (iv) M/s. Orient Containers Sdn. Bhd.
 - h. No producer/exporter from the subject country filed the questionnaire response before the Authority in the present investigation.
 - i. Government of Malaysia ("GOM") has filed submissions during the course of the investigation.
 - j. Questionnaire was sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - (i) M/s. Addict Cloths
 - (ii) M/s. Classic System
 - (iii) M/s. Casio India Co. Private Limited
 - (iv) M/s. Hi Zoom Enterprises
 - (v) M/s. Mayuresh Industries
 - (vi) M/s. Marine Traders
 - (vii) M/s. Rotomac Global Pvt. Ltd.

(viii) M/s.Unitech Media

(ix) M/s. Yasraz International

- k. No Importer/ user has filed a questionnaire response in the present investigation. However, M/s. Mayuresh Industries has filed limited submissions/comments during the course of the investigation that they have not imported the PUC.
- l. M/s Cenzor Industries Ltd. has filed limited submissions during the course of the investigation that they have stopped production or sale of calculators from 2014.
- m. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by all interested parties.
- n. The Authority accepted the confidentiality claims, wherever warranted after due examination and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the confidential information, which was made available through public file.
- o. Further information was sought from the Applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of present investigation.
- p. Investigation was carried on for the period 1st April 2018 to 31st March 2019 (12 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or 'POI') with injury analysis covering the period April 2015 to March 2016, April 2016 to March 2017, April 2017 to March 2018 and the POI.
- q. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, and the said information obtained from the DGCI&S has been adopted for the purpose of the present investigation.
- r. The Authority has examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the Rules to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- s. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in the oral hearing held on 9th January 2020 which was attended by various parties. All the parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of these views, in order to enable opposing interested parties to file rejoinders thereafter, if any.
- t. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this Final Findings.
- u. Comments from interested parties were invited on the proposed PCN methodology vide letter dated 18th October 2019. Since no comment was received from any of the interested parties in the subject investigation, the Authority finalised the PCN methodology for the subject goods vide letter dated 4th November 2019.
- v. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which forms the basis of the present Final Findings was issued to the interested parties on 27th February, 2020. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry have been considered, to the extent found relevant, in these Final Findings.
- w. '****' in this Final Findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- x. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as 1 US\$ = Rs.70.70.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Views of the domestic industry

4. The views of the domestic industry are as follows:

The product under consideration ("PUC") for the purpose of subject investigation is 'Electronic Calculators'. An electronic calculator is a small and portable electronic device used for performing arithmetic operations and certain other mathematical functions. Simple numeric operations include basic arithmetic such as addition, subtraction, multiplication and division. Complex mathematical functions include exponential operations, roots, logarithms, trigonometric functions, and hyperbolic functions, etc.

Brief description of different types of calculators is as under:

- a. **Basic/Pocket/Desktop Calculators:** These types of calculators are used to perform simple operations like addition, subtraction, multiplication, division and percentages etc. Standard features include 8 to 12-digit display, twin source of power (solar power and battery power) and plastic/rubber keys. The major drawback of these types of calculators is that users cannot review or correct the incorrectly entered numbers during calculation.
- b. **Check & Correct Calculators:** In addition to the functions performed by the basic calculators, check & correct calculators also allow the users to modify, amend and delete particular numbers as per their requirement. Check function enables users to review values during calculations and helps to reduce calculation errors while performing big calculations.
- c. **Scientific Calculators:** Scientific calculators are designed to calculate problems in science, engineering, statistics and mathematics. Compared to basic calculators with four or five functions, scientific calculators may contain 38 to 401 functions, depending upon the manufacturer and the model. However, scientific calculators normally have following features:
 - a. Two-line display
 - b. Scientific notation
 - c. Fractional operations and Binary calculations
 - d. Logarithmic functions
 - e. Trigonometric functions
 - f. E functions and roots beyond the square root
 - g. Hexadecimal, binary, and octal calculations, including basic Boolean math
 - h. Complex numbers
 - i. Statistics and probability calculations
 - j. Calculus
 - k. Conversion of units
 - l. Physical constants

Scientific calculators are used widely in any situation where quick access to certain mathematical functions is needed, like trigonometric functions. They are also used in fields requiring calculations of very large numbers in astronomy, physics and chemistry.

- d. **Programmable Calculators:** Programmable calculators are basically high-end models of scientific calculators, which allow the users to write and store programs in the calculator in order to solve difficult problems or start an elaborate procedure. Apart from the basic functions performed by a scientific calculator, programmable calculator also has programming function. With programming function, a user may create, edit and store functions. Creation of programs help in simplifying a complex procedure, which otherwise may be too time consuming.
- e. **Printing Calculator:** Printing calculators come with a small attached printer with paper tape for taking print of calculations made. These calculators are mostly used in businesses, wherein large numbers are involved like computation of tax, calculating cost, selling price or margin of profits, etc. By taking a print, it is easier to track mathematical errors.
- f. **Graphing Calculator:** Graphing calculators (also known as graphics / graphic calculator) typically refer to those calculators which are capable of plotting graphs and charts, solving simultaneous equations, performing basic as well as advanced statistical calculations, logical and matrix operations, permutations and combinations, financial operations, etc. Many of the graphing calculators are also

programmable, which allow users to create customized programs. Due to their large displays intended for graphing, they can also accommodate several lines of text and calculations at a time. Some of the graphing calculators are also capable of generating color output, animated and interactive drawing of math plots (2D and 3D), other figures such as animated Geometry theorems, etc.

The PUC for the present investigation is 'Electronic Calculators of all types', ***excluding*** the following:

- i Calculators with attached printers, commonly referred to as ***printing calculators***;
- ii Calculators with ability to plot charts and graphs, commonly referred to as ***graphing calculators***; and
- iii ***Programmable calculators***

C.2. Views of other interested parties

5. Government of Malaysia made the following submissions concerning the product under consideration:
 - a. The ITC Code for the PUC is 8470 1000, whereas the methodology used by the Applicant for segregation of DGCIS raw data to extract the raw import data, has been done from the Custom Tariff heading 8470. It is submitted that the Tariff heading 8470 also includes non-PUC which is resulting in inconsistency and inaccuracy of import volume of PUC.
 - b. The claim in regard to origin of PUC from Malaysia is unreliable. Increase in exports to India from Malaysia is happening due to either of these two possibilities- (i) PUC was fabricated in other countries and exported to India by circumventing the PUC via Malaysia or (ii) false declaration on the origin of PUC (by declaring that the origin of PUC is Malaysia).

C.3. Examination by the Authority

6. The product under consideration in the present investigation is "Electronic Calculators of all types". However, (a) Calculators with attached printers, commonly referred to as printing calculators; (b) Calculators with ability to plot charts and graphs, commonly referred to as graphing calculators; and (c) Programmable calculators are excluded from the scope of present investigation.
7. The Applicant has claimed that Electronic Calculators manufactured by them and those imported into India are to be considered as like article for the purpose of the present investigation. They have made this claim on the basis of the essential characteristics, functions and uses, and technical & commercial substitutability of subject goods.
8. The Authority has also examined the PCN methodology. The PCN proposed and accepted by the Authority is as under:

S.No.	Field description	Explanation
1.	Type	This refers to class to which calculator belongs: S: Scientific N: Non- Scientific
2.	Check & Correct function	This field represents the function of Check & Correct in the calculator: 0: No Check & Correct 1: Check & Correct present
3.	No. of Digits in Display	This field represents the number of digits in calculator (more than/equal to 12 or less than 12) Less than 12 digits: L Equal to and more than 12 digits: M
4.	Solar Power	This field represents whether the calculator also has solar power energy: A: No Solar power B: Solar power is present

S.No.	Field description	Explanation
5.	Size of Calculator	Pocket or Others Dimension of Pocket Size: Not exceeding 170mm X 100mm X 45mm Pocket Size: P Others: O

9. Rule 2(d) relating to the definition of "like article" specifies that "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation, or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under investigation.
10. From the above definition of the term "like article", it is clear that the like article has to be identical or alike in all respects to the article under investigation. The scope of the term like article shall also include those articles having closely resembling characteristics to those under investigation in the absence of articles identical or alike in all respects.
11. On the basis of information on record, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian domestic industry and those imported from the subject country. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers also use the two interchangeably. The Authority holds that the product manufactured by the Applicant constitutes like article to the subject goods being imported into India from the subject country.
12. It is noted that HS code for the product concerned is 84701000. However, the PUC is also being imported under other HS codes falling under Tariff Heading 8470. Therefore, for the purpose of analysis of import data, the Applicant has obtained transaction-wise DGCI&S import data for the Heading 8470. Thereafter, the Applicant has sorted the import data for PUC by examining the description for each line item given in the DGCI&S import data. The Authority has cross verified the sorting of import data done by the Applicant. It is noted that no non-PUC product under tariff heading 8470 has been considered or included in the sorted import data for PUC in the present investigation.
13. Regarding the imports of subject goods into India, the Authority has analysed the DGCI&S import data and all the import transactions of the subject goods coming from Malaysia have been considered in this investigation by the Authority in its analysis. As mentioned in the initiation notification, the present investigation concerns imports of subject goods either originating in or exported from Malaysia. Thus, the Authority has considered all the imports coming into India from Malaysia as imports of PUC for the purpose of present investigation. As regards the issue concerning circumvention and false certificate of origin, the Authority notes that it is the responsibility of Malaysian government to ensure that exporters from Malaysia do not indulge in any circumvention.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Views of the domestic industry

14. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
 - a) The present petition has been filed by M/s. Ajanta LLP. The Applicant is neither related to an importer in India nor exporter from subject country, nor has the Applicant imported the product under consideration. The Applicant holds a major proportion of total domestic production of subject goods in India. The Applicant, therefore, satisfies the requirement of standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.
 - b) The production figures of other Indian producers are based on market intelligence. To the best of the knowledge of the Applicant, the production figures of the other producers are representative and any deviation with actual figures will, in fact, reveal that their actual production is lower as the Applicant has considered a conservative estimate.
 - c) There was one other known producer of the subject goods in India i.e. M/s. Cenzer Industries Ltd, whose estimated production based on market intelligence during the POI is *** Pieces (**% of total Indian production).

D.2. Views of the other interested parties

15. M/s. Cenzer Industries Ltd. has filed a submission stating that they have stopped production and sale of product under consideration from 2014.

D.3. Examination of the Authority

16. Rule 2 (b) of the Rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

17. The present application for anti-dumping duty investigation has been filed by M/s. Ajanta LLP. The Applicant is neither related to an importer in India nor any exporter from subject country. Further, the Applicant has not imported the subject goods during the POI. Domestic industry had initially submitted that as per market intelligence there is one other known producer of the subject goods in India i.e. M/s. Cenzer Industries Ltd. However, M/s. Cenzer Industries Ltd. vide its letter dated 10th October 2019 has submitted that they have stopped producing the subject goods from 2014. Thus, Applicant is the sole producer of the subject goods in India during the POI.

18. In view of the above, the Authority holds that the Applicant is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Rules and considers that the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

E. CONFIDENTIALITY AND OTHER ISSUES**E.1 Submissions by domestic industry**

19. The following submissions were made by the domestic industry with regard to confidentiality and other issues.
- Applicant is the sole producer in the POI and thus its information, even in terms of volume parameters such as production, sales, etc. has not been disclosed as the same are not in public domain. The Applicant has, however, provided indexed information wherever possible.
 - Applicant has provided sufficient information justifying initiation of the investigation. Applicant has provided all information as required under the application proforma. As regards failure of evaluation of certain parameters in the write up, the Applicant submits that it is not necessary for the Applicant to evaluate all the parameters in the application. The Applicant is obliged to provide all relevant information, which it has done.
 - The interested party is free to collect DGCIS transaction-wise data from the public file after giving an appropriate undertaking. Reference is made to Trade Notice No. 1/2017 dated 8th December 2017 in this regard.
 - Applicant has provided all relevant information as required and confidentiality has been claimed only where it is necessary. Applicant is the sole producer in the POI and, thus, its information, even in terms of volume parameters, has not been disclosed on actual basis. Disclosure of such highly business sensitive information, would be of significant competitive advantage to competitors and consumers and would seriously impact the interest of Applicant.
 - The Applicant submitted that it has provided the data in indexed form in the non-confidential version of the application in accordance with Rule 7 of the Rules and Trade Notice No. 10/2018 dated September 7, 2018.

E.2 Submissions by various interested parties

20. There is no submission made by the other interested parties on confidentiality issues.

E.3 Examination by the Authority

21. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17,

the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

22. Non-confidential version of the information provided by various interested parties were made available to all interested parties through the public file as per Rule 6(7).
23. With regard to the confidentiality of information, the Authority notes that the information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim in accordance with Rule 7 of the Rules. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential.

F. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F.1 Views of the domestic industry

24. The dumping margin from Malaysia is not only significant, but also substantial, thus establishing existence of significant dumping of the product under consideration in India. The import volume from Malaysia has remained significant throughout the present injury period.
25. Since the prices/quotations of the producers of the subject goods were not publicly available in spite of efforts made by the domestic industry, the domestic industry has determined normal value for Malaysia on the basis of cost of production in India by taking the domestic price of the major raw materials, with due adjustment of selling, general and administrative expenses and taking consumption norms of the Applicant.
26. The Applicant has relied upon the transaction-wise import data procured from DGCI&S, to assess the volume and value of subject imports to India. The export prices have been adjusted for expenses relating to ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, and bank charges.
27. Considering the normal value and export price, dumping margin has been determined, details of which have already been enclosed along with the petition. The dumping margin is not only above *de minimis* but also quite significant.

F.2. Views of other interested parties

28. There are no submissions made by the other interested parties on normal value, export price and dumping margin.

F.3. Examination by the Authority

F.3.1 Determination of Normal Value

29. Under Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

30. Further, Section 9A(6A) of the Act and Rule 6(8) of the Rules state as under:

Section 9A(6A): *The margin of dumping in relation to an article, exported by an exporter or producer, under inquiry under sub-section (6) shall be determined on the basis of records concerning normal value and export price maintained, and information provided, by such exporter or producer:*

Provided that where an exporter or producer fails to provide such records or information, the margin of dumping for such exporter or producer shall be determined on the basis of facts available.

Rule 6 (8) of AD Rules: *In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances.*

31. The Authority notes that none of the producers/exporters from Malaysia has participated in this investigation and provided the information in the prescribed formats.
32. In view of the above, the normal value for the subject products imported from Malaysia into India has been determined on "any other basis" by considering best available information with regard to cost of production and after additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. The Authority notes that imports from Malaysia are primarily of pocket-size calculators. Accordingly, the Authority has considered the normal value for the PCNs pertaining to pocket-size calculators and the same comes to US\$*** per piece for the POI.

F.3.2 Export Price

33. The Authority notes that none of the exporters has furnished information in the form and manner prescribed which could be used for determination of the export price and calculation of individual dumping margin. Therefore, the Authority has determined the export price for producers/exporters on the basis of the DGCI&S transaction wise data.
34. The export price has been adjusted on account of ocean freight, marine insurance commission, bank charges, port expenses and inland freight charges to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for exports from Malaysia is as shown in the dumping margin table below.

F.3.3 Dumping Margin Table

Considering the normal value and export price for subject goods, the dumping margin for the subject goods from Malaysia has been determined as follows:

Country	Producer	Normal Value (US\$/Pc)	Export price (US\$/Pc)	Dumping Margin (US\$/Pc)	Dumping Margin %	DM Range
Malaysia	Any	***	***	***	***	300-400

35. The Authority notes that the dumping margin during the period of investigation determined for Malaysia is significantly above *de minimis* level.

G. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

36. Rule 11 of the Rules read with Annexure–II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
37. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by M/s Ajanta LLP. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the Applicant has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination the cost and injury information of the Applicant, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b) has been examined.

G.1 Views of the domestic industry:

38. The following submissions were made by the domestic industry with regard to injury and causal link:
- a. Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation. Imports of PUC from subject country have increased in absolute terms from 2,09,106 pieces in 2015-16 to 10,78,472 pieces in POI.
 - b. There is significant price undercutting/underselling due to low priced dumped imports coming into India. There is significant price suppression due to low priced dumped imports coming into India.
 - c. The domestic industry's profitability has been drastically affected. From total profit of 102 indexed units in 2016-17, profits have reduced significantly to (117) indexed units in the POI.
 - d. From cash profit of 138 indexed units in 2016-17, cash profits have reduced significantly to (25) indexed units in the POI.
 - e. The return on capital employed (ROCE) of the domestic industry has declined significantly from 100 indexed units in 2015-16 to (81) indexed units during the POI.
 - f. The inventory of the domestic industry has increased significantly from 100 indexed units in 2015-16 to 605 indexed units during POI, despite a reduction in production.
 - g. Prices of imports have declined sharply without corresponding decline in costs.
 - h. Prices of imports have remained below not only selling price but also cost of sales. The gap between price of imports and cost of sales is increasing throughout the injury period
 - i. Domestic industry has significant unutilised capacity.
 - j. The dumping margin and the injury margin from the subject country is not only more than *de minimis* but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is very significant.
 - k. It is denied that Philippines and Thailand should have been made part of the investigation since the imports from both these countries are coming at a higher price, as opposed to the import price of Malaysia.
 - l. The slight increase in domestic sales between 2015-16 to 2016-17 occurred due to imposition of anti-dumping duty on imports of the subject goods from China PR *vide* Customs Notification No. 24/2015-Customs (ADD) dated 29th May 2015. At that time, 99% of the total imports coming into India were from China PR. Therefore, the anti-dumping duty deterred imports from China PR to a certain extent. However, soon after, imports from Malaysia started in significant volume, increasing five-fold in the course of the injury period.

G.2 Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties

39. None of the exporters and importers has participated in the subject investigation. Following submissions have been made by Government of Malaysia:

- a. The import volume of PUC increased from 100 indexed points to 192 indexed points from 2015-16 to 2016-17. However, this was in tandem with the increase in domestic industry's domestic sales and capacity utilization.
- b. The import volume of PUC from subject country decreased from 577 indexed points to 516 indexed points from 2017-18 to 2018-19. However, during this period, the domestic industry sales increased only slightly by 8 indexed points and capacity utilization only decreased slightly from 117 indexed points to 112 indexed points. The failure of domestic industry to capture domestic sales and increase capacity utilization during this period indicates that causal link cannot be satisfactorily established.
- c. The import data provided by the domestic industry is inconsistent with the export volume data recorded in Malaysia's Department of Statistics. Malaysia only exported a total of 205,558 pieces of electronic calculators to India in 2019 as compared to 1,078,472 pieces as provided in the petition. This incorrect data affects other related information such as import share, market share, price undercutting and other factors.
- d. Imports of PUC from Philippines and Thailand represented a significant import share, but both the countries were not made a part of the investigation.

G.3 Examination by the Authority

40. The Authority has taken note of the submissions made by domestic industry and other interested parties has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Rules.
41. The Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.
42. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of the Rules states as under:

"(iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."
43. It is not necessary that all parameters of injury should show deterioration. Some parameters may show deterioration, while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and, thereafter, concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not.
44. The Authority has conducted the injury analysis by relying on official DGCI&S import data and the imports reported therein from Malaysia.

G.3.1 Volume Effect of Dumped Imports - Import Volumes and Share of Subject Country

a. Assessment of Demand/Apparent consumption

45. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Applicant and imports from all sources.

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Imports from Malaysia	Pieces	2,09,106	4,00,676	12,07,282	10,78,472
Trend	Indexed	100	192	577	516
Imports from China PR	Pieces	40,83,861	2,48,761	10,09,951	3,77,647

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
(Duty already in force)					
Trend	Indexed	100	6	25	9
Imports from Other Countries	Pieces	57,23,089	55,49,189	59,58,949	61,12,541
Trend	Indexed	100	97	104	107
Total Imports	Pieces	1,00,16,056	61,98,626	81,76,182	75,68,660
Trend	Indexed	100	62	82	76
Domestic Sales of Applicant	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	121	129
Total Demand	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	89	85

46. As can be observed from the above table, imports of PUC from subject country have increased from 2,09,106pieces in 2015-16 to 10,78,472 piecesin the POI.

b. Import Volumes fromSubject Country

47. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S. The import volumes of the subject goods and share of the dumped imports during the injury investigation period are as follows:

	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Imports from Malaysia	Pieces	2,09,106	4,00,676	12,07,282	10,78,472
Trend	Indexed	100	192	577	516
Imports from China PR (against whom ADD is already in force)	Pieces	40,83,861	2,48,761	10,09,951	3,77,647
Trend	Indexed	100	6	25	9
Imports from Other Countries	Pieces	57,23,089	55,49,189	59,58,949	61,12,541
Trend	Indexed	100	97	104	107
Total Imports	Pieces	1,00,16,056	61,98,626	81,76,182	75,68,660
Trend	Indexed	100	62	82	76
Subject country imports in relation to total imports	%	2.09	6.46	14.77	14.25
Trend	Indexed	100	310	707	683
Total Indian Production	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	163	117	112
Imports from Malaysia relative to production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	495	461
Demand	Pieces	***	***	***	***

	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Trend	Indexed	100	74	89	85
Imports from Malaysia relative to consumption in India	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	257	650	604

48. The following points has been noted from the above table:

- Imports of PUC from subject country have increased from 2,09,106 pieces in 2015-16 to 10,78,472 pieces in the POI.
- Imports of PUC from subject country have increased in relation to the Indian production from 100 indexed points in 2015-16 to 461 indexed points in POI.
- Imports of PUC from subject country have increased in relation to the Indian consumption from 100 indexed points in 2015-16 to 604 indexed points in POI.

G.3.2 Price Effect of the Dumped imports on the domestic industry

49. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

“With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.”

50. The impact on the prices of the Domestic Industry on account of the dumped imports from Malaysia has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the Domestic Industry have been compared with landed price of imports of the subject goods from Malaysia.

a. Price Undercutting

51. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product from the subject country and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at ex-factory level.

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Import Volume	Pieces	2,09,106	4,00,676	12,07,282	10,78,472
Trend	Indexed	100	192	577	516
Landed Price	Rs./Piece	24	22	22	19
Trend	Indexed	100	94	93	80
Domestic Sales Price excluding Freight	Rs./Piece	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	76	74
Price Undercutting	Rs./Piece	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	72	73
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Trend	Range	400-500	400-500	300-400	300-400

52. The Authority notes that imports of the subject goods from Malaysia are significantly undercutting prices of domestic industry in India. Due to such significant price undercutting, the domestic industry is unable to increase its selling price so as to recover its cost and earn a reasonable rate of return.

b. Price Underselling

53. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. The majority of subject goods imported from subject country are pocket size calculators. Therefore, the Authority has considered the NIP of pocket size calculators for the domestic industry and compared the same with the landed price of imports as obtained from the DGCIS.

Particulars	UOM	Value
Imports	Piece	10,78,472
Landed Price	Rs./Piece	18.75
NIP	Rs./Piece	***
Injury Margin	Rs./Piece	***
Injury Margin	%	***
Trend	Range	300-400

54. It is noted that the landed price of imports is much below the non-injurious price of the domestic industry. The Authority notes that the imports of subject goods from Malaysia are causing significant price underselling effect on the domestic industry.

c. Price Suppression and Depression

55. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices or whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree and prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices and landed value over the injury period. The position is shown in the table below:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Cost to make and sell	Rs./Piece	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	87	94
Domestic Selling Price	Rs./Piece	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	76	75
Landed Value	Rs./Piece	24	22	22	19
Trend	Indexed	100	92	92	79

56. The following points can be noted from the above table:

- The imports from subject country are coming at prices substantially lower than the cost of sales of the domestic industry. As a result, the dumped imports are not allowing the domestic industry to fetch a selling price which could cover its full cost and allow it to earn a reasonable profit margin.
- Cost to make and sell has decreased by 6 indexed points during POI as compared to the base year whereas domestic selling price has decreased substantially by 25 indexed points during the same period.
- The landed price has decreased by 21 indexed points during POI as compared to base year whereas cost to make and sell has decreased by 6 indexed points during POI as compared to base year.

d. Impact on Economic Parameters of the domestic industry

57. Annexure II to the Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits,

output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and the ability to raise capital investments.

58. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

59. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization is as follows:

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Capacity	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	163	117	112
Capacity utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	163	117	112
Domestic Sales	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	121	129

60. It is noted that significant portion of the capacity available with domestic industry is un-utilized.

b) Profits, Return On Capital Employed and Cash Profit

61. The cost of sales, selling price, profit/ loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analysed as follows:

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Profit/(Loss)	Rs./Piece	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	78	(22)	(90)
Profit/(Loss)	Rs. Lacs	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	102	(27)	(116)
PBIT	Rs. Lacs	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	107	(22)	(105)
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	138	32	(23)
ROI	%	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	89	(19)	(79)

62. The Authority notes that the domestic industry has suffered adversely in terms of profit, profit before interest, cash profits and return on capital employed.

c) Market Share in Demand

63. The effect of the dumped imports on the market share of the domestic industry is examined below:

Particular	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Market share of domestic industry sales	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	175	136	151
Market share of imports from Subject Country	%	***	***	***	***

Indexed	Indexed	100	257	650	604
Market share of imports from China PR (Duty already in force)	%	***	***	***	***
Indexed	Indexed	100	8	28	11
Market share of imports from Other Countries	%	***	***	***	***
Indexed	Indexed	100	130	117	125

64. The Authority notes that the market share of the domestic industry improved in 2016-17 and thereafter declined in 2017-18 but marginally improved in POI. On the other hand, market share of subject country imports has increased significantly when compared to the base year.

d) Employment, Wages and Productivity

65. The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

Particulars	UOM	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Employee	Numbers	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	139	86	119
Production/Employee	Per Employee	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	135	94
Production	Per Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	163	117	112

66. The Authority notes that production per employee has increased up to 2017-18 and thereafter declined sharply. Production per day has increased up to 2016-17 and thereafter declined. There is no definite with regard to employment.

e) Inventory

67. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Particular	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	POI
Average Stock	Pieces	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	538	919	605

68. The Authority notes that level of inventories with the domestic industry has increased significantly till 2017-18 before a slight decline in POI.

f) Magnitude of Dumping

69. It is noted that imports from the subject country are entering into India at dumped prices and the margin of dumping are above *de minimis* limits and significant.

g) Ability to raise capital investment

70. It is seen that the domestic industry's capacity is largely un-utilized, and the industry is suffering losses. Thus, the ability to raise capital investment in such a situation has weakened.

h) Growth

71. The data relating to growth of the domestic industry is shown in the following table:

Growth	Unit	2015-16	2016-17	2018-19	POI
Production	Y/Y %	-	63	(28)	(4)

Growth	Unit	2015-16	2016-17	2018-19	POI
Domestic Sales	Y/Y %	-	31	(8)	7
Profit/Loss (Rs. (Lacs)	Y/Y %	-	2	(126)	(338)
ROI	Y/Y %	-	(1)	(7)	(4)
Cash Profit (Rs. (Lacs)	Y/Y %	-	38	(77)	(171)

72. The Authority notes that all the major injury parameters show a significant injury, from the imports of subject goods from subject country.

i) Factors Affecting Domestic Prices

73. The examination of the import prices from the subject country shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry. The Authority notes that the prices of the product under consideration in general should move in tandem with the prices of key raw materials and the domestic industry has been fixing its prices considering these input prices and landed price of imports. Thus, the landed value of subject goods from the subject country is an important factor for determination of domestic prices.

G.3.4 Other Known Factors & Causal Link

74. The Authority has noted other known factors listed under the Rules, which could have contributed to injury to the domestic industry for examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry:

(a) Volume and price of imports from third countries

75. The Authority notes that significant volume of imports of PUC is coming into India from Philippines and Thailand. However, the import prices from both these countries are significantly higher than the import prices from Malaysia and China PR. Thus, it cannot be said that imports from countries other than Malaysia and China PR are causing injury to the domestic industry.

(b) Export Performance

76. The Authority has considered the data for domestic operations only for its injury analysis.

(c) Technology

77. The technology as also the production process for producing PUC has not undergone any significant development. Possible development in technology thus is not a cause of injury to the domestic industry.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

78. There is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

(e) Changes in pattern of consumption

79. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change and thus it is not the reason for injury to the domestic industry.

(f) Performance of the domestic industry with respect to other products

80. Performance of other products being produced and sold by the Applicant is not a possible cause of injury to the domestic industry.

H. Magnitude of Injury and Injury Margin

81. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III to the Rules. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The weighted average NIP has been considered for

comparing the landed price from the subject country for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration has been allowed to arrive the NIP as prescribed in Annexure III as per the consistent practice. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject country to determine the injury margin as follows:

Injury Margin Table

Country	Producer	NIP- US\$ per piece	Landed Value US\$ per piece	Injury Margin US\$ per piece	Injury Margin %	Injury Margin Range
Malaysia	Any	***	0.2652	***	***	300-400

I. Conclusion on injury

82. Based on the above, the Authority notes that the dumped imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption of the subject goods in India. Imports of the product are undercutting the prices of the domestic industry. Further, while the cost of production had decreased over the injury period, the decrease in selling price is more as compared to the decline in cost of production. The imports are, thus, suppressing the prices of the domestic industry.
83. The Authority notes that the domestic industry has suffered injury on account of volume as well as price effect of imports, as a result of which the profitability of the domestic industry has declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits turned negative in POI. Thus, growth in respect of most of the parameters such as profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc shows an adverse impact on the domestic industry. Thus, Authority holds that the domestic industry has suffered material injury.

J. Conclusion on causal link

84. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:
 - a. Imports are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly.
 - b. Imports of PUC from subject country have increased significantly in the POI.
 - c. Price undercutting being caused by the dumped imports has prevented the increase in prices of the domestic industry which otherwise would have happened.
 - d. The price suppression effect of dumped imports from subject country has resulted in erosion in profitability of the domestic industry.
 - e. The domestic industry has been prevented from increasing its production, capacity utilization and market share despite existence of significant demand and capacities in the country.
 - f. Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are result of dumped imports.
 - g. The growth of the domestic industry became negative in respect of number of economic parameters like selling price, profitability, cash profit and ROCE.

K. POST-DISCLOSURE SUBMISSIONS

85. The post disclosure submissions have been received only from the domestic industry. The submissions are examined as under:

K.1. Submissions by Domestic Industry

86. The submissions made by the domestic industry on the disclosure statement are as follows:-

- a) Domestic Industry has requested the Authority to confirm its proposals made in the disclosure statement regarding scope of product under consideration, standing of domestic industry, dumping analysis and injury analysis in the final findings.
- b) Domestic Industry submitted that there is an error in the 'Landed Value USD per piece' in the injury margin table in paragraph 82 of the Disclosure Statement. Instead of landed value of USD 0.26 per piece, the Authority has inadvertently quantified the same as USD 1.26 per piece. Domestic Industry requests the Authority to kindly revisit this figure and change the same in the final findings.

K.2. Examination by Authority

87. The Authority notes that the domestic industry has only requested the Authority to confirm its examination with regard to the scope of product under consideration, standing of domestic industry, dumping analysis and injury analysis in the final findings. The Authority has confirmed its examination regarding scope of product under consideration, standing of domestic industry, dumping analysis and injury analysis in the relevant paras above. With respect to the error of landed value in the injury margin table, it is noted that NIP and landed value figures had inadvertently been interchanged in the Disclosure Statement. The error has been rectified.

L. Indian Industry's interest & other issues.

88. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping duty would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

M. CONCLUSION

89. Having regard to the contentions raised, information provided, and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in these final findings and on the basis of the above analysis, the Authority concludes that:

- a. The product under consideration has been exported to India from Malaysia below its associated normal value, thus amounting to dumping.
- b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from Malaysia.
- c. Material injury has been caused to the domestic industry by the dumped imports from Malaysia.

N. RECOMMENDATION

90. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions laid down under the Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. The Authority, therefore, considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

91. In terms of provision contained in Rule 4(d) of the Rules, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Column 7 of the duty table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject country.

Duty Table

S. No.	Heading/Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	8470*	Electronic Calculators**	Malaysia	Any Country including Malaysia	Any	0.92	US\$	Per Piece
2.	8470*	Electronic Calculators**	Any Country other than Malaysia	Malaysia	Any	0.92	US\$	Per Piece

*Custom classification is only indicative, and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC. The PUC mentioned above should be subject to above ADD even when it is imported under any other HS code.

**Product under consideration is “Electronic Calculators of all types”, excluding the following:

- Calculators with attached printers, commonly referred to as *printing calculators*
- Calculators with ability to plot charts and graphs, commonly referred to as *graphing calculators*
- Programmable calculators*

O. FURTHER PROCEDURE

- An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

BHUPINDER S. BHALLA

Add. Secy. & Designated Authority